अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 'द जेन-जी माइंडसेट' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

बी.सी.एस.शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी में प्राचार्य डॉ.विनोद कुमार पाठक के निर्देशन में दिनांक 15.11.2025 को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "एक्टिव लर्निंग एण्ड द जेन-जी माइंडसेट नर्चरिंग इन्टरप्रेन्यूरियल थिंकिंग इन हायर एजुकेशन' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा अर्चना एवं राजगीत गायन से किया गया। अतिथियों के स्वागत पश्चात्

- कार्यक्रम का संचालन कर रही डॉ. तामेश्वरी साहू ने कार्यशाला आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते कहा, जेन-जी जनरेशन जो 14 से 28 वर्ष की आयु में स्कूल और महाविद्यालय में है, जो देश के विकास के भावी कर्णधार है, की मनोस्थिति को समझने के लिए शिक्षा जगत को गहन-चिंतन की आवश्यकता है। जीन-जे की विशेषताओं की ध्यान में रखते हुए शिक्षक अपनी शिक्षण पद्धति में छात्रों के रूचि के अनुरूप आधुनिकतम तकनीक से कैसे शिक्षा दे शिक्षण पद्धति में बदलाव की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए कार्यशाला का आयोजन किया गया है। तभी यह पीढ़ी गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन बन सकती है। नव कलासिकल अर्थशास्त्री शुम्पीटर के अनुसार नव-प्रवर्तनकर्ता उद्यमी ही आर्थिक विकास प्रमुख अभिकर्ता होता है। अतः जेन-जी जनरेशन में उद्यमशीलता का विकास कैसे किया जाए, यह कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य है।
- कार्यशाला में कि-नोट स्पीकर की भूमिका निभा रही डॉ. मनदीप खालसा, प्राचार्य शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय, नगरी ने जेन-जी विद्यार्थियों की विशेषता उनकी कार्यशैली, तकनीकी रुचि, संवाद पद्धति, मनोवैज्ञानिक स्थिति तथा कक्षाओं में उनकी सहभागिता पर

सबका ध्यान केन्द्रित करते हुए कहा कि शिक्षक की भूमिका वर्तमान परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण है। आधुनिकता पद्धति से नवाचारी शिक्षण पद्धति को अपनाना आवश्यक है, उन्होंने अपनी शैक्षणिक जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए व्यावहारिक समस्याओं पर भी अपने विचार व्यक्त किये। सीमित संसाधनों के साथ शिक्षक किस प्रकार अपनी कक्षा को सक्रिय और रूचि पूर्ण बना सकता है। शिक्षकों को एक ऐसी शिल्पी की भूमिका निभानी पड़ती है, जो सीमित संसाधन में नवीन तकनीकि का प्रयोग छात्र-छात्राओं के अनुरूप टेक्नोफ्रेडली होकर विद्यार्थियों को उद्यमशीलता का विकास करें।

- डॉ.डी.एन. देवांगन, प्राचार्य मैकेनिकल इंजीनियरिंग कृष्ण विसा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रायपुर ने जेन-जी कॉनगेनिटिव इकोलॉजी फ्राम चॉक टू क्लाउड पर अपना व्याख्यान देते हुए बताया किय जेन-जी जनरेशन बचपन से ही मोबाईल और इंटरनेट से जुड़ा हुआ है। उनकी उंगली में सूचना का संचार है, नई तकनीक को बेहतर ढंग से जानते और समझते है। बहुत कम समय में अधिक सिखना चाहते है, इसलिए आज पुरानी पद्धति के लंबे व्याख्यान जो केवल चॉक एवं टॉफ पर आधारित था उचित नहीं है। किसी भी विषय पर दिये जाने वाले व्याख्यान को प्राध्यापक चार सेक्शन में बांट सकते है। पहले में विषय की गहन जानकारी हो, दूसरे में विद्यार्थियों के लिए ग्रुप डिक्शन हो, तीसरे में उस पर विचार विमर्श हो और चौथे में शिक्षक एक निर्देशक के रूप में उन बातों का विश्लेषणात्मक समीक्षा प्रस्तुत करें। अध्ययन-अध्यापन में यू-ट्यूब, पी.पी.टी. प्रेजेंटेशन और विभिन्न आधुनिक तकनीक का प्रयोग आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी प्राध्यापकों के यूट्यूब चैनल होना चाहिए, जिसमें उनके व्याख्यान बच्चों के लिए सुलभ रहें। कक्षाएं हाईब्रेट मोड में हो, छात्र-

छात्रो को बातें सुन और देखकर अधिक समझ आती है। अतः वीडियों मोड़ के माध्यम से अच्छे से समझाया जा सकता है।

- द्वितीय वक्ता डॉ. स्नेहा मुण्डा, सहायक प्राध्यापक, मनोविज्ञान, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक ने परमा मॉडल के माध्यम से मनोस्थिति को समझाया ओर उन्हें अपने परिवार और महाविद्यालय का संबल लेकर कैसे मानसिक रूप सुदृढ़ बनना है की समझाया की। जेन-जी के आने वाले मनोविकार एवं अवसाद की समस्या से उभरने के लिए उन्होंने माटिन सेलिमेन के ''परमा मॉडल ' के विभिन्न आयामों की विस्तृत चर्चा की।
- तृतीय वक्ता श्रीमती दीपमाला सूर्यवंशी, सहायक प्राध्यापक, वनस्पतिशास्त्र, शासकीय महाविद्यालय, लांजी, बालाघाट थी, उन्होंने ने ''पैशन टू-प्रॉफीट जेन-जी : ग्रीन इन्टरप्रेन्युरशीप' पर अपना व्याख्या दिये, जिसमें उन्होंने पर्यावरण समस्या को देखते हुए सतत् विकास हेतु पर्यावरण अनुकूल रोजगार की ओर युवा पीढ़ी के जाने की सभी संभावना पर विस्तृत व्याख्या की, उन्होंने आॅर्गीनिक कृषि, उद्यनिकी, मधुमक्खी कृषि, पशुपालन, मशरूम कल्चर, हाईड्रोपोनिक कृषि, फ्लोरीकल्चर आदि क्षेत्र में रोजगार की संभावना मंे उद्यमशीलता के विकास पर बल-दिया। किसी प्रकार कम लागत में अधिक आमदनी प्राप्त किया जा सकता है, उन्होंने उदाहरण देते हुए मां दंतेश्वरी महिला स्व-सहायता समूह जो बस्तर के वनांचल क्षेत्र में स्वरोजगार के माध्यम से लाभ अर्जित कर रही है। व्यक्ति महाकुंभ आयोजन में दातुन बेचकर लाखों कमा सकते है। अतः ग्रामीण क्षेत्र में भी उद्यमिता की बहुत संभावना है।
- कार्यशाला के अंतिम वक्ता के रूप में डॉ. धीरज कटारा, वैज्ञानिक एवं फैकल्टी, वॉरोलॉजी, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, कांकेर थे, उन्होंने ने फेसबुक, ट्यूटर, मेटा, जैसे सोशल मीड़िया की

शुरूआत कैसे हुई और युवाओं की ये छोटी शुरूआत एक बड़ी कंपनी का रूप लिया इसके व्याख्या की और विद्यार्थियों को स्टाट-अप के लिए प्रेरित किया। तकनीकी प्रयोग सकारात्मक एवं अनुशासन में होना चाहिए। सोशल मीड़िया में बहुत अधिक समय बिताने से छात्र-छात्राओं के सक्रियता में कमी आती है। वे सोचने रह जाते है और अपने लक्ष्य की आगे नहीं बढ़ पाते। इसलिए सोशल मीड़िया का उपयोग जेन-जी को एक सीमा में करना चाहिए।

- कार्यशाला में आरसी सिद्धकी एवं साथियों ने मिलकर पारम्परिक शिक्षण प्रणाली एवं आधुनिक शिक्षण तकनीक पर आधारित एक नाटक प्रस्तुत किया, जिसके माध्यम से उन्होंने शिक्षण पद्धति को टेक्नोबेस्ड परिवर्तन करने का संदेश दिया।
- कार्यशाला की संपूर्ण समीक्षा पी.सी.चौधरी, सेवानिवृत्त, सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी ने किया।
- अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वेदवती देवांगन ने जेन-जी जनरेशन पर आधारित इस कार्यशाला के आयोजन में निर्देशन हेतु प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार पाठक को आभार व्यक्त करते हुए सभी वक्ताओं को महाविद्यालय परिवार की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यशाला में डॉ. अनिता राजपुरिया, प्राचार्य एवं डॉ रोहणी मरकाम, प्राध्यापक, नारायण राव मेघावाले शासकीय कन्या महाविद्यालय, धमतरी उपस्थित थे। कार्यक्रम के आयोजन में महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. सरला द्विवेदी, डॉ. मीनाक्षी तिवारी, डॉ. डेकेश्वरी मंडावी एवं अर्थशास्त्र परिषद के छात्र-छात्राओं का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. चन्द्रिका साहू, के.पी.कोसिमा, डॉ. सपना ताम्रकार, जयश्री पंचांगम, रश्मि कुजूर, आकांक्षा कश्यप, अमित कुमार,पल्लवी बरड़िया, डॉ.. सीमा साहू, राजेश चौरसिया, हरप्रीत सिंह आनंद, डॉ. संजय साहू,

अंबिका साकेत, निरंजन कुमार, डॉ. डी.आर.टंडन,कृष्ण कुमार देवांगन, डॉ.अश्वनी कुमार, डॉ.आकांक्षा मिश्रा, अमर सिंग साहू, एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक गण उपस्थित थे।

(डॉ.विनोद कुमार पाठक)

प्र.प्राचार्य

बी.सी.एस.शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जिला-धमतरी (छ.ग.)

ONE DAY NATIONAL WORKSHOP
"Active Learning And The Gen Z Mindset Nurturing Entrepreneurial Thinking In Higher Education"
ORGANIZED BY ECONOMICS DEPARTMENT
B.C.S. GOVT. P.G. COLLEGE DHAMTARI
KEY NOTE SPEAKER & RESOURCE PERSON
Organizing Team

ONE DAY NATIONAL WORKSHOP
Entrepreneurial Thinking In Higher Education
ORGANIZED BY ECONOMICS DEPARTMENT
B.C.S. GOVT. P.G. COLLEGE DHAMTARI
Date: 15-11-2025
KEY NOTE SPEAKER & RESOURCE PERSON

ONE DAY NATIONAL WORKSHOP
Entrepreneurial Thinking In Higher Education"
ORGANIZED BY ECONOMICS DEPARTMENT
B.C.S. GOVT. P.G. COLLEGE DHAMTARI
Date: 15-11-2025
KEY NOTE SPEAKER & RESOURCE PERSON